Kanya Mahavidyalaya, Kharkhoda

District Sonipat (Haryana)

Report of One Day National Conference held on 9th November, 2019

A one day National level conference on "Enhancement of Quality in Higher Education: Role of IQAC" was organised at Kanya Mahavidyalaya, Kharkhoda, on 9th November 2019. 92 faculty members and academicians participated in the conference which was sponsored by National Assessment and Accreditation Council (NAAC), Bengalure. The conference discussed the various practices and technologies that can be deployed by Higher education institutions to enhance its services in teaching –learning and evaluation process as well as for accreditation purpose.

After lamp lighting before Goddess Saraswati One Day National Conference was commenced with the inaugural session where the Principal (Mrs) Dr Suresh Boora, delivered the welcome note. In technical session –I, Prof Madhukar B S, Former adviser and executive member of NAAC apprised about technicalities and modalities of newly introduced accreditation format. He also displayed with Ppts the difference in all the seven criterion of SSR in old and new format. This session was followed by second technical session which was graced by Dr. Pratibha Jolly, Former Principal of Miranda House College (University of Delhi) and member of NAAC gave a presentation on modifications in seven criterion of NAAC framework and also explained in detail the procedure and submission of IIQA & SSR. She also briefed regarding Academic Audit & Administrative Audit.

Welcome Note by Worthy Principal Dr. (Mrs) Suresh Boora

Speaker of Technical Session-I: Prof. B S Madhukar

Speaker of Technical Session-II: Dr. Pratibha Jolly

Third technical session was based on Matrix system and distribution of marks according to this matrix proportions. In this session Prof. Madhukar, again enriched the delegates regarding various calculations of points indicators in SSR and made easy the on-line submission process of SSR.

Speaker of Technical Session-III: Prof. B S Madhukar

Forth session was enlightened by Prof. Munish Garg, Director- IQAC, Maharshi Dayanand University, Rohtak in which he suggested various ways through which IQAC can bring desired changes in higher education institutions. He also made aware about the establishment of NAAC and IQAC. In his lecture, he stressed on the submission of AQAR and its timeline for the submission.

Speaker of Technical Session-IV: Prof. Munish Garg

The last session of the conference was open session in which delegates interacted with all resource persons and quenched their various queries. All the resource persons assured all help and cooperation to HEI's for their preparation in NAAC Accreditation.

Open Session

In the end, Dr Parmila, IQAC Co-ordinator of parent college extended her heart felt gratitude to NAAC for the acceptance of their proposal and funding the one day National Conference. She also expressed her vote of thanks to all resource persons and delegates from different universities & colleges.

Vote of thanks by Dr. Parmila

Valedictory Session

Certificate Distribution

Certificate Distribution

Media Coverage

Amar Ujala Dated 10/11/19

विमर्श

कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेमिनार में उच्च शिक्षा में गुणवत्ता सुधार पर हुई चर्चा

उच्च शिक्षा की गुणवत्ता की वृद्धि पर जोर : डॉ. मधुकर

अमर उजाला ब्यूरो

खरखौदा। उच्च शिक्षा में गुणवत्ता की वृद्धि में आईक्यूएसी की भूमिका विषय पर शनिवार को कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) बेंगलूरू द्वारा आयोजित सेमिनार में वक्ताओं ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

महाविद्यालय प्रबंधन समिति के प्रधान वेद प्रकाश दहिया व प्राचार्य डॉ. सुरेश बूरा के संरक्षण में आयोजित सेमिनार का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित करके सरस्वती वंदना के साथ किया गया। पहले सत्र में जनरल काउंसिल कार्यकारी कमेटी बेंगलूरू के पूर्व सलाहकार व आयुष मंत्रालय के सदस्य डॉ. मधुकर बीएस ने उच्च शिक्षा में गुणवत्ता की वृद्धि पर विचार रखे। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा में गुणवत्ता की वृद्धि के लिए आईक्यूएसी का लक्ष्य शैक्षणिक संस्थाओं के विविध क्रियाकलापों के संबंध में मानक विकसित करना है। गुणवत्ता से संबंधित सूचनाओं का प्रसार करना और समय-समय पर शिक्षा की गुणवत्ता की वृद्धि के लिए वाद-विवाद, कार्यशाला व सेमिनार आदि का आयोजन करना भी इसका मुख्य कार्य रहा है। डॉ. प्रतिभा, प्रो. मुनीष गर्ग ने भी अपनी विचार रखे। दूसरे सत्र में भी आईओएसी के विविध पहलुओं से जुड़ी जानकारी दी। प्राचार्य डॉ. सुरेश बूरा ने कहा कि इस प्रकार के सम्मेलन शिक्षा के गुणात्मक विकास के लिए बहुत ही जरूरी है। इस दौरान कार्यक्रम प्रभारी डॉ. प्रमिला सहित सभी विभाग प्रमुख मौजूद रहे।

कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेमिनार का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते डॉ. मधुकर बीएस।

Dainik Jagran Dated 11/11/19

शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर हुई चर्चा

कन्या कॉलेज में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ करते डॉ. मधुकर बीएस • जागरण

संस, खरखौदा : उच्च शिक्षा में गुणवत्ता की वृद्धि में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन की भूमिका को लेकर कन्या कॉलेज में राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। यह सेमिनार राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक), बैंगलुरु की ओर से आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न वक्ताओं ने शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर चर्चा की। इससे पहले कॉलेज प्रबंधन समिति के प्रधान वेद प्रकाश दहिया व प्राचार्य डॉ. सुरेश बूरा दीप प्रज्वलित कर सेमिनार का शुभारंभ किया। सेमिनार को दो तकनीकी सत्रों में बांटा गया। पहले सत्र में जनरल काउंसिल कार्यकारी कमेटी, बंगलुरु के पूर्व सलाहकार व आयुष मंत्रालय के सदस्य डॉ. मधुकर ने उच्च शिक्षा में गुणवत्ता की वृद्धि को लेकर अपने विचार रखे। वहीं, दूसरे सत्र से जुड़ी जानकारी दी। इस मौके पर डॉ. प्रतिभा, प्रो. मुनीष गर्ग, कार्यक्रम प्रभारी डॉ. प्रमिला सहित आदि मौजूद रहे।